जीवन विद्या राष्ट्रीय सम्मेलन

(26 से 29 अक्टूबर, 2006)

श्रीमान्/श्रीमती ...पूजनीया माताजी, श्रद्धेय बाबाजी एवं समस्त परिवार.

आपको सहर्ष सूचित किया जाता है कि जीवन विद्या का 12वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन बृहस्पतिवार, 26 अक्टूबर से रविवार, 29 अक्टूबर 2006 तक मानवीय शिक्षा संस्कार संस्थान (MS^3), मंधना, कानपुर में आयोजित हो रहा है। आपसे सादर निवेदन है कि आप इस सम्मेलन में अपनीं सक्रिय भागीदारी निभायें।

इस बार सम्मेलन में कौन–कौन से मुद्दे रखे जायें और किन–किन बातों पर विचार विमर्श किया जाए, ताकि सम्मेलन अधिक सार्थक हो सके, इस पर आपकी राय आमंत्रित है। आपके विचारार्थ कुछ मुद्दे नीचे लिखे जा रहे हैं जिन्हें आपके सुझाव आने के उपरान्त निश्चित किया जायेगा एवं विभिन्न सत्रों में बाँटा जायेगा। इसलिए आप से अपेक्षा है कि आप शीघ्र ही अपने विचार लिखकर भेजें –

१. वर्ष 2005 तक अभियान का मूल्यांकन एवं वर्ष 2005–2006 में उपलब्धियाँ,
२. मध्यस्थ दर्शन के लोक व्यापीकरण के लिए अभियान की भावी दिशा, योजना एवं कार्यक्रम पर विचार विमर्श,
३. श्रद्धेय नागराज जी का मार्गदर्शन।

इन विषयों पर अपने साथियों के विचार विस्तार से सुने जायेंगे। देश के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे सामूहिक प्रयासों का प्रतिनिधित्व करने वाले साथी भावी योजना के साथ अपने विचार रखेंगे।

व्यवस्था की दृष्टि से यह निवेदन है कि आप कितने साथियों के साथ सम्मेलन में हिस्सा लेंगे एवं कब और किस प्रकार सम्मेलन स्थल पर पहुँचेंगे, हमें सूचित करने का कष्ट करें। 25 अक्टू० को प्रात: 6 बजे से 26 अक्टू० को दोपहर 12 बजे तक संस्थान के प्रतिनिधि आपके मार्गदर्शन हेतु कानपुर सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन के 1 नं० प्लेटफार्म पर सर्वोदय बुक स्टाल के सामने उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन के दौरान भोजन व आवास व्यवस्था संस्थान परिसर में रहेगी। यहाँ अक्टूबर के महीने में हल्की ठंढ शुरू हो जाती है एवं रात्रि में तापमान 15 डिग्री पहुँच जाता है, इसलिए आपसे निवेदन है कि अपने साथ गर्म कपड़े एवं टार्च आदि लाएँ। किसी अन्य जानकारी के लिए कृपया हमसे संपर्क करें।

मंगलकामनाओं सहित,
जीवन विद्या कानपुर परिवार,
मानवीय शिक्षा संस्कार संस्थान,
वनखंडेश्वर मंदिर के सामने,
मंधना, कानपुर, उत्तर प्रदेश ।

फोन:	Email:
संभव– 09935602778	kumarms3@yahoo.com
श्याम– 09450342998, 9305096592	shyamk@iitk.ac.in
संस्थान–0512–2078373	jv_kanpur@yahoo.com

मार्ग : आप की जानकारी हेतु, संस्थान आने के लिए आखिरी रेलवे स्टेशन कानपुर सेंट्रल है। कानपुर सेंट्रल से संस्थान के लिए आसानी से ऑटो मिल जाता है। ऑटो का किराया 150 रुपये है। संस्थान मंधना से 1 किलोमीटर की दूरी पर है। मंधना के लिए सीधी 2 नं० बस टाट मिल चौराहा से मिलती है। टाट मिल चौराहा कानपुर सेंट्रल से 1 किलोमीटर की दूरी पर है। संस्थान मंधना से बिठूर रोड पर 1 किलोमीटर चलने के बाद दायें जाने वाले रास्ते पर वनखंडेश्वर मंदिर (पितामह सदन) के सामने है। संस्थान में माइक्रोवेव टावर लगा है। मंधना से भी संस्थान का रास्ता पूछा जा सकता है।

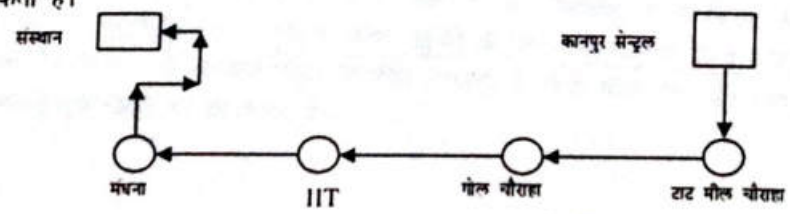

बाबाजी के मार्गदर्शन में भावी कार्यक्रम का स्वरूप रहेगा जिसमें शिक्षा संस्थान के बारे में चर्चा रहेगी। शिक्षा में मानवीय चेतना मूल्य शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा का समावेश रहेगी। (इंजीनियरिंग की अवधारणाओं का सूची बनाना)। चेतना विकास के साथ इन अवधारणाओं को विद्यार्थियों को सूचना देना तथा जिसमें विद्यार्थी की विशेष रुचि उसकी समग्र जानकारी उपलब्ध कराना।

1) ~~[illegible]~~ नित्य वर्तमान - निरन्तरता - अखण्ड काल सार्वकाल -
होना
सदा-सदा - रहना

2) अध्ययन - अभ्यास - अनुभव.

| अभ्युदय सर्वतोमुखी | अनुक्रम से होना-रहना का प्रमाण.

समाधान - सहज अभिव्यक्ति संप्रेषणा प्रकाशन -
शब्दों का अर्थ स्वरूप वस्तुओं को सहअस्तित्व रूपी अस्तित्व स्थिति में - होने रहने का पहचान — प्रमाण सम्पन्नता

१४वां जीवन विद्या राष्ट्रीय सम्मेलन

(01 से 04 अक्टूबर, 2009)

श्रीमान/श्रीमती .....श्रद्धेय नागराज जी.....

आपको सहर्ल सूचित किया जाता है कि जीवन विद्या का 14वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन बृहस्पतिवार, 01 अक्टूबर से रविवार, 04 अक्टूबर 2009 तक हैदराबाद (अभ्यासा स्कूल, तूपरान, मेदक), आंध्र प्रदेश में आयोजित हो रहा है। आपसे सादर निवेदन है कि आप इस सम्मेलन में अपनी सक्रिय भागीदारी निभायें।
इस बार सम्मेलन में कौन–कौन से मुद्दे रखे जायें और किन–किन बातों पर विचार विमर्श किया जाए, ताकि सम्मेलन अधिक सार्थक हो सके, इस पर आपकी राय आमंत्रित है। आपके विचारार्थ कुछ मुद्दे नीचे लिखे जा रहे हैं जिन्हें आपके सुझाव आने के उपरान्त निश्चित किया जायेगा एवं विभिन्न सत्रों में बाँटा जायेगा। इसलिए आप से अपेक्षा है कि आप शीघ्र ही अपने विचार लिखकर भेजें –

१. वर्ष 2008 तक अभियान का मूल्यांकन एवं वर्ष 2008-2009 में उपलब्धियाँ,
२. मध्यस्थ दर्शन के लोक व्यापीकरण के लिए अभियान की भावी दिशा, योजना एवं कार्यक्रम पर विचार विमर्श,
३. श्रद्धेय नागराज जी का मार्गदर्शन।

इन विषयों पर अपने साथियों के विचार विस्तार से सुने जायेंगे। देश के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे सामूहिक प्रयासों का प्रतिनिधित्व करने वाले साथी भावी योजना के साथ अपने विचार रखेंगे।

व्यवस्था की दृष्टि से यह निवेदन है कि आप कितने साथियों के साथ सम्मेलन में हिस्सा लेंगे एवं कब और किस प्रकार सम्मेलन स्थल पर पहुँचेंगे, हमें सूचित करने का कष्ट करें। 30 सितम्बर को प्रात: 6 बजे से 01 अक्टू० को दोपहर 12 बजे तक हैदराबाद के प्रतिनिधि आपके मार्गदर्शन हेतु सिकन्दराबाद सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन के 10 नं० प्लेटफार्म पर उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन के दौरान भोजन व आवास व्यवस्था स्कूल परिसर में रहेगी। यहाँ अक्टूबर के महीने में हल्की ठंढ शुरू हो जाती है एवं रात्रि में तापमान 20 डिग्री पहुँच जाता है, इसलिए आपसे निवेदन है कि अपने साथ गर्म कपड़े एवं टार्च आदि लाएँ। किसी अन्य जानकारी के लिए कृपया हमसे संपर्क करें।

मंगलकामनाओं सहित,
जीवन विद्या हैदराबाद परिवार,
आई०, आई०, आई०, टी०, हैदराबाद
गच्चीबावली, हैदराबाद
आंध्र प्रदेश ।

Phone:	Email:
Pradeep: 093911 31199	ramancharla@iiit.ac.in
Suman: 09440783388	suman.yelati@gmail.com
Devansh: 099661 62734	devansh.exe@gmail.com
Abhijeet: 093939 46570	abhijit.gupta@gmail.com
HV Cell: 040 66531187	humanvalues@iiit.ac.in

मार्ग : आप की जानकारी हेतु, हैदराबाद के मुख्य तीन रेलवे स्टेशन हैं– हैदराबाद ;नामपल्लीद्ध, सिकन्दराबाद व काचीगुड़ा। आप सिकन्दराबाद रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां 10 नं० प्लेटफार्म पर स्वयंसेवक उपस्थित रहेंगे, जो आपका मार्गदर्शन करेंगे। । अभ्यासा स्कूल, तूपरान, सीधा पहुंचने के लिए सिकन्दराबाद रेलवे स्टेशन से मेडचल के लिए लोकल ट्रेन लें। मेडचल से अभ्यास स्कूल के लिए आसानी से ऑटो मिल जाता है। ऑटो का किराया 10 रुपये प्रति व्यक्ति व पूरा ऑटो का 80 रूपये है।

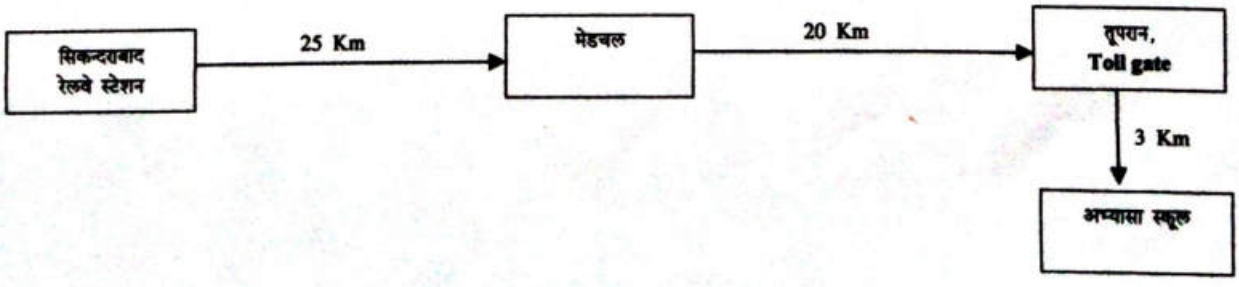

सम्मेलन का कार्यक्रम

पहला दिन ०१ अक्टूबर

सत्र १— उद्घाटन: १०:००—१:००

१०:००—१०:१५ गीत

१०:१५—१०:३० स्वागत — संध्या जी

१०:३०—११:०० सम्मेलन के कार्यक्रम का स्वरूप — श्रीराम नरसिंहमन

११:००—११:३० पिछले सम्मेलन की समीक्षा, उपलब्धि, आगे की संभावना/ हमारी जिम्मेदारी — रणसिंह जी/ गनेश जी

११:३०—१२:३० बाबा का उद्बोधन—
नित्य वर्तमानता — परिवार मूलक स्वराज्य व्यवस्था—
परिवार व्यवस्था से विश्व परिवार व्यवस्था
— मानव लक्ष्य — समाधान, समृद्धि, अभय, सहअस्तित्व
— मानवीय व्यवस्था— अखण्ड समाज, सार्वभौम व्यवस्था
५ आयाम १० सोपान

१२:३०—१:०० दूसरे सत्र में होने वाली चर्चा का परिचय — कुमार संभव

१:००— ३:०० दोपहर का भोजन व विश्राम

सत्र २— ३:०० — ५:००

३.००—३.१५ गीत

३.१५—५.०० अभियान की समीक्षा/मूल्यांकन एवं भावी दिशा, योजना, आपकी भूमिका — —रणसिंह जी(अध्यक्षता)
अभियान में जुड़े साथियों एवं केन्द्रों की प्रस्तुति
हमारे जीने के विभिन्न आयामों में हम क्या सोचते हैं, करना चाहते हैं, कर रहे हैं— इस संदर्भ को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुति— प्रदीप जी, राजीव जी (हैदराबाद से) आदि

५:००—६:०० चाय

सत्र ३— ६:००—७:३०

६:००—७:३० उपरोक्त प्रस्तुति

दूसरा दिन ०२ अक्टूबर

सत्र ४– ९:१५–११:००

०९.१५–०९.३० गीत

९.३०–११.०० बाबाजी का उद्‌बोधन – मानवीय शिक्षा–संस्कार व्यवस्था
लोक शिक्षा योजना
शिक्षा–संस्कार योजना

सत्र ५– ११.३०–१.००

११:३०–१:०० अभियान की समीक्षा– प्रस्तुति – पवन जी(अध्यक्षता)

१:००– ३:०० दोपहर का भोजन व विश्राम

सत्र ६– ३:००–५:००

३.००–३.१५ गीत

३.१५–५.०० विद्या के प्रकाश में जीने के विभिन्न आयामों में प्रयास की आवश्यकता व संभावना–
शोध, सर्वेक्षण, आवर्तनशील उत्पादन– कृसि, गोपालन आदि
अन्य व्यक्तियों/संगठनों के साथ संयुक्त कार्यक्रम/ समन्वयन आदि

चाय ५:००–६:००

सत्र ७ – ६:००–७:३०

६.००–७:३० नवयुवक साथियों की उपलब्धियां,
उन्हें आगे क्या संभावनायें दिखती हैं– इस पर चर्चा

तीसरा दिन ०३ अक्टूबर

सत्र ८– ९:००–११:००

९.००–९.१५ गीत

९.१५–११.०० बाबाजी का उद्बोधन – सह अस्तित्व– नित्य प्रभावी
– मानव– मानव संबंध– अखंड समाज व
– मानव–प्रकृति संबंध– सार्वभौम व्यवस्था के रूप में

सत्र९– ११:३०–१:००

११.३०–१.०० जन अभियान के संदर्भ में (जन आन्दोलन व स्वयंसेवी संगठनों के साथ प्रयास)
समाधान, समाधान के लिए प्रयास का स्वरूप
समस्या, समस्या से मुक्ति के लिए प्रयास का स्वरूप

१:००– ३:०० दोपहर का भोजन व विश्राम

सत्र १०– ३:००–५:००

३.००–३.१५ गीत

३.१५–५.०० निष्कर्ष
अभियान के लिए निश्चित किए गये कार्यक्रम, लोगों की भागीदारी

चाय ५:००–६:००

सत्र ११– ६:००–७:३०

६:००–७:३० परस्पर चर्चा (छोटे–छोटे समूह में)

चौथा दिन ०४ अक्टूबर

सत्र १२– ९:००–११.००

९.००–९.१५ गीत

९.१५–१.०० समन्वयन– प्रदीप जी
विनायक कल्लेटला
राजीव सांगल
रण सिंह आर्य
साधन जी
राजुल अस्थाना
श्रीराम– निष्कर्ष एवं प्रस्तुति
बाबाजी का उद्बोधन – १. अनुसंधान की आवश्यकता – क्यों
२. आशीर्वचन